## विचार बिन्दु

**त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी**

# आम लोगों की जेब पर भारी पड़ती सुविधाओं के नाम पर बैंकों की वसूलियां

पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड़ शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड़ रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पड़े हैं। यह तो तब है जब देश के सबसे बड़े बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड़ जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पेनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढ़े 8 हजार करोड़ की पांच साल में पेनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढ़े 8 हजार करोड़ रु. की जुर्माना राशि का आंकड़ा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड़ से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजीटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजीटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाईल या ऑनलाईन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजीटल पेमेंट ने ले लिया है।

**बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं।**

बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निश्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामलें भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढ़ाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढ़ाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं। आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बड़ा बड़ा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता। उसका साफ कहना होता है कि इसमें हमारे चार्जेज लग जाते हैं इसलिए डिजीटल प्लेटफार्म से ही भुगतान प्राप्त करना उचित समझते हैं। खैर चिंतनीय बात यह है कि बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। आज हो यह रहा है कि बैंक की छोटी से छोटी सेवा के लिए भी भुगतान करना पड़ता है। भुगतान के आसान तरीके आरटीजीएस और एनईएफटी की सेवाएं चार्जेवल है। हांलाकि दो लाख तक के आरटीजीएस पर कोई चार्ज नहीं लिया जाता पर राशि बढ़ने के साथ ही चार्ज बढ़ता जाता है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं। एटीएम का उपयोग हांलाकि अब कम होता जा रहा है पर दूसरे बैंक के एटीएम के उपयोग और इसी तरह की अन्य सेवाओं के लिए चार्जेज आम होता जा रहा है। देखा जाए तो हमें पता ही नहीं चल पाता कि बैंकों द्वार कब कितना पैसा काट लिया जाता है। लेनदेन की सूचना के एसएमएस से लेकर अन्य सेवाएं करीब करीब सशुल्क होने के कारण हमें कुछ ना कुछ चुकाना ही पड़ता है। चिंतनीय यह है कि इस सबके बावजूद बैंकों में ग्राहकों के प्रति जो संवेदनशीलता और आपसी संबंध होने चाहिए वह कहीं खोते जा रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंक सेवा प्रदाता संस्था हैं और सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने और निरंतर सेवाओं में सुधार के लिए बैंकों द्वारा प्रयास किये जाते रहे हैं। पर इसके साथ ही बैंकों को न्यूनतम बैलेंस या अन्य तरह के अनावश्यक चार्जेज लगाने से पहले आम खाताधारकों के हितों को भी देखना चाहिए। बैंक केवल और केवल पैसा कमाने का स्थान नहीं हैं अपितु बैंकों की भी आमजन के प्रति जिम्मेदारी बनती हैं। सभी कुछ केवल और केवल खाताधारक से ही देय है तो फिर बैंकों और पुराने जमाने के साहूकारों या आज के गली-गली में फैले सूदखोरों या फिर बॉक्सरों से वसूली करने वाली संस्थाओं से अलग होना ही पड़ेगा। कहीं ना कहीं सरकार और बैंकिंग संस्थाओं को जनसरोकारों से भी जुड़ना होगा ताकि जिस तरह से पिछले कुछ सालों में बैंकों में आम आदमी की सहज पहुंच हुई हैं और आम आदमी का मोबाईल अब बैंक बन गया है यह सराहनीय है। आवश्यकता चार्जेज के पुनरावलोकन की है। इस और ध्यान देना ही होगा।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**
**( वरिष्ठ लेखक )**

## राशिफल गुरूवार 8 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:34 तक, शिवयोग दिन 12:29 तक, वणिज करण दिन 11:21 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। रवियोग रात्रि 2:44 तक है। आज वरद विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है और श्रवण तपस्या आरम्भ होगी।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ सूर्योदय से 7:37 तक, चर 10:54 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:49 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

**मेष**
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में वृद्धि होगी।

**वृष**
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

**मिथुन**
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

**कर्क**
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

**सिंह**
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।

**कन्या**
व्यक्तिगत पारिवारिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**वृश्चिक**
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**धनु**
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

**मकर**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

**कुंभ**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**मीन**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

# पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता ने दिए मानसिक स्वास्थ्य के टिप्स

## ‘तनाव में अपनो के साथ करें चर्चा, समाधान अगले पायदान पर’

**कोटा,** (निसं)। माँ भारती पीजी महाविद्यालय की मेंटल हेल्थ सेल द्वारा ''मानसिक स्वास्थ्य के लिए समग्र दृष्टिकोण-मन, शरीर और आत्मा का संतुलन'' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पुलिस अधीक्षक कोटा सिटी आईपीएस डॉ.अमृता दुहन रहीं। शुभारंभ माँ सरस्वती के दीप प्रज्वलन से हुआ। महाविद्यालय के निदेशक दिनेश विजय, आई.एच.ओ.आई. के संस्थापक अंशु महाराज और प्राचार्या डॉ. श्वेता सक्सेना ने डॉ.अमृता दुहन का स्वागत किया। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुवे डॉ. अमृता दुहन ने कहा कि वर्तमान दौर में तनाव अवसाद बहुत तेज़ी से बढ़ रहा है जिसके कारण मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता हैं।

उन्होंने कहा कि इस तनाव के समय में भी हमें समस्याओं के समाधान के लिए तैयार रहना है। उन्होंने यह भी कहा कि कभी भी अपनी छोटी-छोटी गलतियों को छुपाना नहीं चाहिऐं, हमें मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए उन्हें साझा करना चाहिए, विशेषकर उन लोगों के साथ जिन पर हम विश्वास करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि माता-पिता हमारे सच्चे शुभचिंतक होते हैं, इसलिए समस्याओं को उनके साथ आवश्यक रूप से साझा करना चाहिऐं। डॉ.दुहन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ साइबर क्राइम जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों के प्रति भी जागरूक होना चाहिऐं। उन्होंने मानसिक संघर्षों को सुलझाने के बारे में भी महत्वपूर्ण सलाह दी। इसी दौरान छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से संबंधित प्रश्न पूछे, जैसे सहपाठी का दबाव, लैंगिक समानता, और परिवार में सामंजस्य, जिन पर डॉ.दुहन ने समाधान बताए। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.श्वेता ने कहा कि डॉ.अमृता दुहान के प्रयासों से शहर के माता-पिता और जनता में विश्वास जागृत हुआ है कि वह उनकी हर बात सुनती हैं और अब कोटावासी अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं। कार्यक्रम के अंत में, निदेशक दिनेश विजय ने डॉ.अमृता दुहान के 'ीपजम जव ीपि' तक के सफर के विषय पर प्रकाश डाला और उनका धन्यवाद किया कि उन्होंने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के उपाय बताए। इस अवसर पर कॉलेज के व्याख्याता के.एल.गालव भी उपस्थित रहे। अंत में, डॉ.अर्शी अब्बासी ने वोट ऑफ़ थैंक्स दिया। मंच संचालन तान्या और यशी जैन द्वारा किया गया।

**मां भारती पीजी कॉलेज में आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंची शहर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अमृता दुहन का अभिनंदन किया गया।**

**■ ‘तनाव के समय में भी हमें समस्याओं के समाधान के लिए तैयार रहना है, छोटी-छोटी गलतियों को छुपाना नहीं चाहिए’**

# सांवलियाजी सेठ के भंडार से 13 करोड़ 38 लाख रुपये की राशि मिली

**मंडफिया,** (निसं)। भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में गत तीन अगस्त को खोले गए भगवान के विशाल भंडार की गिनती तीसरे चरण में बुधवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भैरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि तीसरे चरण में हुई भंडार गिनती में 3 करोड़ 7 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व दो चरणों में हुई भंडार गिनती में से 10 करोड़ 31 लाख 45 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए थे।

तीनों चरणों की राशि मिलाकर 13 करोड़ 38 लाख 45 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि भंडार की शेष रही राशि की गणना करना अभी बाकी है। इसके अलावा भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल होना भी बाकी है। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य संजय कुमार मंडोवरा, भैरूलाल सोनी, अशोक शर्मा, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, कांग्रेस युवा नेता सुरेशचंद्र गुर्जर, संपदा प्रभारी भैरुगिरी गोस्वामी, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, दीपक तिवारी, जितेन्द्र त्रिपाठी, नारायण लाल गाडरी सहित मंदिर व बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

**■ भंडार की शेष राशि व सोने-चांदी का तोल एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल बाकी है**

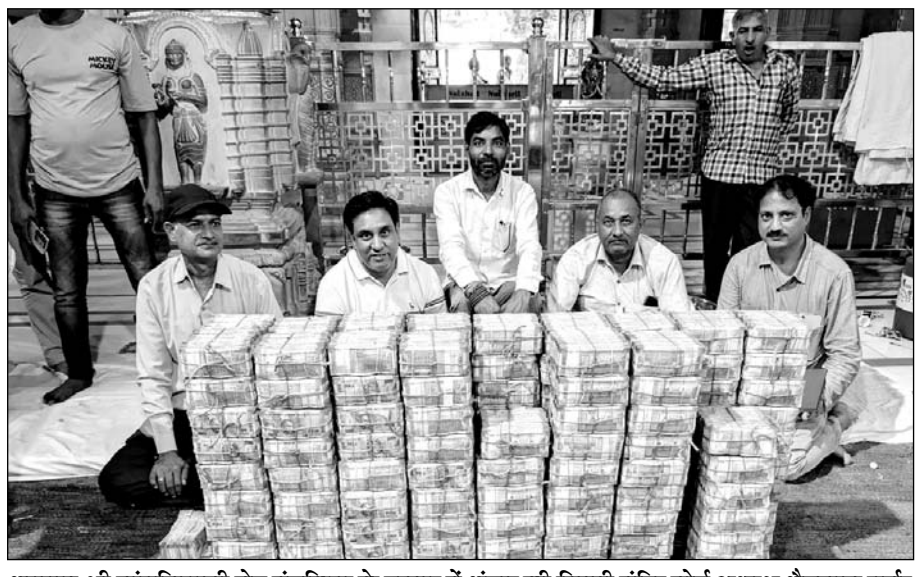



**भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में भंडार की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भैरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई।**

## दुर्लभ प्रजाति के 101 पौधे रोपे

**कोटा,** (निसं)। कोटा ग्रीन कम्युनिटी और बाल संप्रेक्षण गृह नयागांव के संयुक्त तत्वाधान में सघन पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति संरक्षक प्रणव राज सिंह ने बताया एक पेड़ मां के नाम अभियान अभियान के तहत 101 पौधे बाल अधिकारिता विभाग नयागांव मे रोपे गए। मुख्य अतिथि आराधना शर्मा मजिस्ट्रेट व विशिष्ट अतिथि अर्पित जैन सहायक निदेशक, बाल अधिकारिता विभाग रहे। उन्होने प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण को अधिक से अधिक लगाने का आव्हान किया और ग्रीन कम्युनिटी के सतत पौधारोपण अभियान की प्रशंसा की।

# विश्व स्तनपान सप्ताह का समापन

**कोटा,** (निसं)। रोटरी क्लब कोटा, इनरव्हील क्लब कोटा, ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इण्डिया, भारतीय शिशु अकादमी हाड़ौती शाखा, स्काउट गाईड, मेडिकल कॉलेज एवं संलग्न चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे स्तनपान सप्ताह का बुधवार को समापन समारोह रोटरी बिनानी सभागार में आयोजित किया गया।

इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सीबी दास गुप्ता थे। वहीं मेडिकल कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ.संगीता सक्सेना, रोटरी क्लब कोटा के अध्यक्ष मुकेश व्यास, सचिव घनश्याम मूंदडा, इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष चारू जैन, सचिव नीता जैन, पूर्व विधायक पूनम गोयल, प्रोजेक्ट चेयरमैन रेखा सिंह एवं पूर्व मण्डल सचिव स्काउट यज्ञदत्त हाड़ा भी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ.सीबी दास गुप्ता ने माताओं को स्तनपान करवाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने व उनके समाधान के लिए सामाजिक संस्थाओं के सहयोग की आवश्यकता बताई। डॉ.सीबी दास ने कहा कि स्तनपान नहीं करा पाने के कारण प्रतिवर्ष 1 लाख बच्चों की मृत्यु और 10 हजार माताओं में स्तन कैंसर हो जाता है। मुख्य अतिथि डॉ.संगीता सक्सैना ने डिब्बा बंद दूध का ना कहने और मां के दूध को हां कहने का आह्वान किया। उन्होंने बच्चों को 2 से 2.5 वर्ष की आयु तक स्तनपान करवाने की सलाह दी। वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नवनीत बागला एवं डॉ. अविनाश बंसल, डॉ. आरएस गुप्ता, डॉ.जीसी जैन ने भी स्तनपान की उपयोगिता बताई। रोटरी क्लब के अध्यक्ष मुकेश व्यास ने बच्चों में मां दूध पीने से होने वाले लाभ बताऐ। मुख्य समन्वयक यज्ञदत्त हाडा ने रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शहर की 31 से अधिक सामाजिक संस्थाओं की ओर से 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रम आयोजित किए गए।सभी ने वर्ष पर्यन्त 'मां का दूध सर्वोत्तम आहार है' अभियान चलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सामाजिक संस्थाओं और क्लबों की ओर से राजकीय, निजी विद्यालय, महाविद्यालय व नर्सिंग कॉलेजों में पेंटिंग, क्वीज, नारा लेखन आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गईं। जिनमें विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यकम में रोटरी क्लब कोटा नोर्थ, कोटा राउड टाउन, इनरवहील क्लब कोटा नोर्थ, चाईल्ड लाईन, सृष्टि सेवा समिति राजकीय व निजी नर्सिंग कॉलेज तथा अन्य सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष, सचिव व पदाधिकारी उपस्थित रहे। पूनम गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# ‘पौधे रोपकर पर्यावरण को सहेजने में अपनी भूमिका निभाएं’

**कोटा,** (निसं)। तपती धरती मां को राहत देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान को संकल्प के तौर पर लेते हुए पूरे प्रदेश को हरा भरा बनाने की प्रतिबद्धता में हरियाली तीज पर हरियालो राजस्थान अभियान धरातल पर उतरा।

अभियान अन्तर्गत जिले में बुधवार को एक ही दिन में एक साथ 8,37,204 पौधे रोपे गऐं। जिला प्रभारी मंत्री गौतम कुमार दक के मुख्य आतिथ्य में मुख्य समारोह स्थल लवकुश वाटिका में पौधारोपण किया गया। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजन की सहभागिता से एक साथ इतनी बड़ी संख्या में पौधारोपण किया गया जो अपने आप में अनौखा अवसर है। प्रभारी मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आने वाली पीढ़ियों की चिंता करते हुए यह अभियान आरंभ किया जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल ने संकल्प के साथ धरातल पर उतारा है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि मां के नाम एक पेड़ लगाकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। हरियालो राजस्थान अभियान में ना केवल पेड़ लगाने का संकल्प है बल्कि लगाए गए पौधों की सार संभाल कर उन्हें पालने के लिए मुख्यमंत्री ने वृक्षमित्र का प्रावधान कर केयर टेकर का प्रावधान भी रखा है जो पर्यावरण के प्रति उनकी गहरी चिंता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। इस तरह ये रोपे गए पौधे वृक्ष बन प्रकृति को सम्बल देंगे।

उन्होंने कहा, जो हमारे पूर्वज हमें देकर गए हैं, हम भी सीमेंट कंक्रीट के जंगल के बजाय हरा-भरा पर्यावरण आने वाली पीढ़ियों को देकर जाएं तो हमारी पीढ़ियां धन्यवाद देंगी। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन और धरती के बढ़ते तापमान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चिंता के परिणाम स्वरूप जन्मे इस जन अभियान को हमें अपना स्वभाव बनाना होगा। अधिकाधिक पेड़ लगाने होंगे, बच्चों की तरह उन्हें पालना पोसना होगा, साथ ही वृक्षों का कटाव भी रोकना होगा। बढ़ते तापमान, गिरते भूजल स्तर, ओजोन परत के क्षरण, ग्लेशियरों के पिघलने जैसे जलवायु परिर्वतन के दुष्परिणामों से आगाह करते हुए उन्होंने सभी से पेड़ लगाने और उन्हें पल्लवित, संरक्षित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला प्रभारी सचिव टी.रविकांत, जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक शहर डॉ.अमृता दुहन, ग्रामीण करण शर्मा, संभागीय मुख्य वन संरक्षक रामकरण खैरवा, जिला परिषद सीईओ अशोक त्यागी, अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी, अन्य अधिकारीगण, राकेश जैन, जयदेव सुखेजा, हेमंत विजयवर्गीय एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। अतिथियों ने पौधारोपण में सहयोग के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला परिषद सीईओ अशोक त्यागी ने बताया कि विभिन्न विभागों से प्राप्त सूचना के अनुसार जिले में 7 अगस्त को 8,37,204 पौधारोपण किया गया। जिसमें विद्यार्थियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहयोगिनी, वन विभाग कार्मिकों एवं अन्य विभागों का सहयोग रहा। महिलाएं लहरिया वस्त्रों में पौधारोपण करने पहुंची। विभिन्न विभगीय कार्यालयों में भी पौधारोपण किया गया। संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया ने अपने कार्यालय एवं निवास पर पौधा रोपे।

इस अवसर पर उपवन संरक्षक अर्पूव कृष्ण श्रीवास्तव ने लव-कुश वाटिक के बारे में बताते हुए कहा कि दो वर्ष पूर्व व्यर्थ और गंदगी से अटे इस पठारी क्षेत्र को कोटा दक्षिण क्षेत्र के ग्रीन लंग्स के तौर पर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान अर्न्तगत बुधवार को 2 लाख पौधों का रोपण जिले में वन विभाग द्वारा किया गया है।

## 46 यात्री व 9 अवैध वेंडर पकड़े

**कोटा,** (निसं)। मंडल में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए समय-समय पर सघन टिकट चैंकिंग अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में कोटा-सवाई माधोपुर रेल मार्ग पर चार एक्सप्रेस ट्रेनों में मंडल वाणिज्य प्रबंधक किशोर कुमार पटेल ने टिकट चेकिंग टीम के साथ औचक निरीक्षण किया। जिसमे गाड़ी संख्या 12977 एर्नाकुलम-अजमेर मरूसागर एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 12940 जयपुर-पुणे सुपरफास्ट एवं गाड़ी संख्या 19037/19038 अप/डाउन दिशा की बरौनी-बांद्रा टर्मिनल-बरौनी अवध एक्सप्रेस में कुल 33 मामलें बिना टिकट यात्रा के एवं 13 अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले मामलें पकड़े गए। जिनसे क्रमशः 53,760 रूपए एवं 6,080 रूपए जुर्माना वसूला गया। अर्थात कुल 46 पकड़े गए मामलें से रेलवे ने कुल 59,840 रूपए का जुर्माना वसूला। इसके अतिरिक्त डीसीएम ने उक्त ट्रेनों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया इस औचक निरीक्षण के दौरान मरूसागर एक्सप्रेस में पेंट्रीकार में 1 अवैध वेंडर एवं 8 अवैध साफ-सफाई करने वाले वेंडरो को पकड़ा।